हरियाणा विधान सभा
की
कार्यवाही

04 नवम्बर, 2019

खण्ड–3, अंक–1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 04 नवम्बर, 2019

पृष्ठ संख्या

सचिव द्वारा घोषणाएं

सदस्यों द्वारा शपथ/प्रतिज्ञान

इंडियन नैशनल कांग्रेस पार्टी, हरियाणा राज्य के अध्यक्ष, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनन्दन

सदस्यों द्वारा शपथ/प्रतिज्ञान (पुनरारम्भ)

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनन्दन

सदस्यों द्वारा शपथ/प्रतिज्ञान (पुनरारम्भ)

अध्यक्ष का निर्वाचन

बधाई संबंधी भाषण

नेता प्रतिपक्ष की मान्यता संबंधी घोषणा

उपाध्यक्ष के निर्वाचन संबंधी घोषणा

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 04 नवम्बर, 2019

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में दोपहर बाद 02:00 बजे हुई। कार्यकारी अध्यक्ष (डॉ. रघुवीर सिंह कादियान) ने मध्यान्ह पश्चात् 02:00 बजे से 03:20 बजे तक तथा तत्पश्चात् अध्यक्ष (श्री ज्ञान चंद गुप्ता) ने अध्यक्षता की।

सचिव द्वारा घोषणाएं

सचिव : महोदय, मुझे इस सदन को सूचित करना है कि हरियाणा के राज्यपाल ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 180–(1) द्वारा उनमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए डॉ. रघुवीर सिंह कादियान को हरियाणा विधान सभा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है । मुझे सदन को यह भी सूचित करना है कि हरियाणा के राज्यपाल ने भारत के संविधान अनुच्छेद 188 द्वारा उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा विधान सभा के कार्यकारी अध्यक्ष को ऐसे व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया है जिसके समक्ष हरियाणा विधान सभा का प्रत्येक सदस्य/सदस्या अपना शपथ ग्रहण करने से पूर्व शपथ लेगा तथा हस्ताक्षर करेगा ।

सदस्यों द्वारा शपथ/प्रतिज्ञान

Mr. Acting Speaker: Hon'ble Members, at the outset, I congratulate all of you from the core of my heart on being elected as Members of the Haryana Vidhan Sabha and also heartily welcome all of you here in this august House. Now, Hon'ble Members will be sworn in. The name of Members will be called by the Secretary for the purpose of making and subscribing oath or affirmation. The oath or affirmation will be made and subscribed by the Hon'ble Members in the following orders:-

1. Chief Minister;
2. Deputy Chief Minister
3. Lady Members; and
4. Other Hon'ble Members district-wise alphabetically in alphabetical order i.e.
   - (a) Ambala District
   - (b) Bhiwani District
   - (c) Charkhi Dadri District
   - (d) Faridabad District
   - (e) Fatehabad District
   - (f) Gurgaon District
   - (g) Hisar District
   - (h) Jhajjar District

(i) Jind District

(j) Kaithal District

(k) Karnal District

(l) Kurukshetra District

(m) Mahenderagarh Distrct

(n) Mewat at Nuh District

(o) Palwal District

(p) Panchkula District

(q) Panipat District

(r) Rewari District

(s) Rohtak District

(t) Sirsa District

(u) Sonepat District

(v) Yamuna Nagar District

The name of the Members who are not able to take the oath or make the affirmation at the first call, will be called again at the end. Now, the Secretary will call the Members one by one. I call upon the members to make and subscribe the oath or affirmation in the order I have already announced.

The following members were then sworn in:-

CHIEF MINISTER

1.	Shri Manohar	Karnal

DEPUTY CHIEF MINISTER

2.	Shri Dushyant Chautala	Uchana Kalan

LADY MEMBERS

3.	Smt. Geeta Bhukkal	Jhajjar (SC)
4.	Smt. Kamlesh Dhanda	Kalayat
5.	Smt. Kiran Choudhry	Tosham
6.	Smt. Naina Singh Chautala	Badhra

7.	Smt. Nirmal Rani	Gannaur
8.	Smt. Seema Trikha	Badkhal
9.	Smt. Renu Bala	Sadhaura (SC)
10.	Smt. Shakuntala Khatak	Kalanaur (SC)
11.	Smt. Shalley	Naraingarh

AMBALA DISTRICT

12.	Shri Anil Vij	Ambala Cantt.
13.	Shri Aseem Goel Naneola	Ambala City
14.	Shri Varun Chaudhary	Mulana (SC)

BHIWANI DISTRICT

15.	Shri Bishamber Singh	Bawani Khera(SC)
16.	Shri Ghanshyam Saraf	Bhiwani
17.	Shri Jai Parkash Dalal	Loharu

CHARKHI DADRI DISTRICT

18.	Shri Sombir Sangwan	Dadri

FARIDABAD DISTRICT

19.	Shri Mool Chand Sharma	Ballabhgarh
20.	Shri Narender Gupta	Faridabad
21.	Shri Nayan Pal Rawat	Prithla
22.	Shri Neeraj Sharma	Faridabad(NIT)
23.	Shri Rajesh Nagar	Tigaon

FATEHABAD DISTRICT

24.	Shri Devender Singh Babli	Tohana
25.	Shri Dura Ram	Fatehabad
26.	Shri Lakshman Napa	Ratia (SC)

GURGAON DISTRICT

27.	Shri Rakesh Daultabad	Badshahpur

इंडियन नै□ानल कांग्रेस पार्टी, हरियाणा राज्य के अध्यक्ष, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनंदन

कार्यकारी अध्यक्ष (डॉ. रघुवीर सिंह कादियान) : माननीय सदस्यगण, आज हरियाणा विधान सभा की अति विशिष्ट दीर्घा में हरियाणा की इंडियन नैशनल कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष कुमारी शैलजा, पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव, एवं श्री राम किशन गुर्जर, तथा श्री निशान सिंह, पूर्व विधायक, सदन की कार्यवाही देखने के लिए बैठे हैं। मैं पूरे सदन की ओर से उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

सदस्यों द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान(पुनरारंभ)

28.	Shri Sanjay Singh	Sohna
29.	Shri Satya Parkash	Pataudi (SC)
30.	Shri Sudhir Kumar	Gurgaon

HISAR DISTRICT

31.	Shri Anoop Dhanak	Uklana (SC)
32.	Shri Jogi Ram Sihag	Barwala
33.	Dr. Kamal Gupta	Hisar
34.	Shri Kuldeep Bishnoi	Adampur
35.	Shri Ram Kumar Gautam	Narnaund
36.	Shri Ranbir Gangwa	Nalwa
37.	Shri Vinod Bhayana	Hansi

JHAJJAR DISTRICT

38.	Shri Kuldeep Vats	Badli
39.	Shri Rajinder Singh Joon	Bahadurgarh

JIND DISTRICT

40.	Shri Amarjeet Dhanda	Julana
41.	Dr. Krishan Lal Middha	Jind
42.	Shri Ram Niwas	Narwana (SC)
43.	Shri Subhash Gangoli	Safidon

KAITHAL DISTRICT

44.	Shri Ishwar Singh	Guhla (SC)
45.	Shri Leela Ram	Kaithal
46.	Shri Randhir Singh Gollen	Pundri

KARNAL DISTRICT

47.	Shri Dharam Pal Gonder	Nilokheri
48.	Shri Harvinder Kalyan	Gharaunda
49.	Shri Ram Kumar	Indri
50.	Shri Shamsher Singh Gogi	Assandh

KURUKSHETRA DISTRICT

51.	Shri Mewa Singh	Ladwa
52.	Shri Ram Karan	Shahbad(SC)
53.	Shri Sandeep Singh	Pehowa
54.	Shri Subhash Sudha	Thanesar

MAHENDRAGARH DISTRICT

55.	Dr. Abhe Singh Yadav	Nangal Chaudhry
56.	Rao Dan Singh	Mahenderagarh
57.	Shri Om Prakash Yadav	Narnaul
58.	Shri Sitaram	Ateli

MEWAT AT NUH DISTRICT

59.	Shri Aftab Ahmed	Nuh
60.	Shri Mamman Khan	Ferozepur Jhirka
61.	Mohd. Ilyas	Punahana

PALWAL NUH DISTRICT

62.	Shri Deepak Mangla	Palwal
63.	Shri Jagdish Nayar	Hodal (SC)
64.	Shri Praveen Dagar	Hathin

PANCHKULA DISTRICT

65.	Shri Gian Chand Gupta	Panchkula

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनंदन

15.00 बजे

कार्यकारी अध्यक्ष (डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान) : माननीय सदस्यगण, आज भूतपूर्व सांसद एवं हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य डॉ. अजय सिंह चौटाला जी सदन की कार्यवाही देखने के लिए अति विशिष्ट दीर्घा में बैठे हैं। मैं उनका पूरे सदन की तरफ से हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

सदस्यों द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान (पुनरारंभ)

66.	Shri Pardeep Chaudhary	Kalka

PANIPAT DISTRICT

67.	Shri Balbir Singh	Israna (SC)
68.	Shri Dharam Singh Chhoker	Samalkha
69.	Shri Mahipal Dhanda	Panipat Rural
70.	Shri Parmod Kumar Vij	Panipat City

REWARI DISTRICT

71.	Dr. Banwari Lal	Bawal (SC)
72.	Rao Chiranjeev	Rewari
73.	Shri Laxman Singh Yadav	Kosli

ROHTAK DISTRICT

74.	Shri Balraj Kundu	Meham
75.	Shri Bharat Bhushan Batra	Rohtak
76.	Shri Bhupinder Singh Hooda	Garhi Sampla-Kiloi

SIRSA DISTRICT

77.	Shri Abhay Singh Chautala	Ellenabad
78.	Shri Amit Sihag	Dabwali
79.	Shri Gopal Kanda	Sirsa
80.	Shri Ranjit Singh	Rania

81.	Shri Shishpal Singh	Kalanwali (SC)

SONEPAT DISTRICT

82.	Shri Jagbir Singh Malik	Gohana
83.	Shri Jaiveer Singh	Kharkhauda (SC)
84.	Shri Mohan Lal Badoli	Rai
85.	Shri Sri Krishan Hooda	Baroda
86.	Shri Surender Panwar	Sonepat

YAMUNA NAGAR DISTRICT

87.	Shri Bishan Lal	Radaur
88.	Shri Ghanshyam Dass	Yamuna Nagar
89.	Shri Kanwar Pal	Jagadhri

अध्यक्ष का निर्वाचन

कार्यकारी अध्यक्ष महोदयः माननीय सदस्यगण, अब सदन अध्यक्ष का चुनाव करेगा और माननीय मुख्यमंत्री महोदय इस बारे में एक प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): माननीय कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँः–

> कि हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री ज्ञान चंद गुप्ता जो सदन में उपस्थित हैं, सभा के अध्यक्ष के रूप में पीठासीन हों।

उप मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला): माननीय कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं भी माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किए गए प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

कार्यकारी अध्यक्ष महोदयः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआः–

> कि हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री ज्ञान चंद गुप्ता, जो सदन में उपस्थित हैं, सभा के अध्यक्ष के रूप में पीठासीन हों।
>
> क्या कोई अन्य प्रस्ताव है?

आवाजें: नहीं

कार्यकारी अध्यक्ष महोदयः माननीय सदस्यगण, क्योंकि अध्यक्ष पद के लिए कोई अन्य प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं हुआ है, इसलिए मैं श्री ज्ञान चंद गुप्ता, विधायक को

सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित करता हूँ और मैं उनसे आग्रह करता हूँ कि वे अध्यक्ष पद का स्थान ग्रहण करें।

(इस समय श्री ज्ञान चंद गुप्ता को माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल, उप मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला, नेता प्रतिपक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एवं सत्ता पक्ष के सदस्य श्री अनिल विज तथा श्री कंवर पाल एस्कॉर्ट करते हुए चेयर की ओर ले गए एवं चेयर पर आसीन कराया।)

बधाई संबंधी भाषण

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, आज मुझे बहुत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। आज 14वीं विधान सभा का पहला सत्र है और इस सत्र में सदन के सभी सदस्यों ने आपका सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में चुनाव किया है तथा आपको अध्यक्ष की सीट पर पीठासीन करवाया है। इस अवसर पर मैं आपको अपनी ओर से, सदन की ओर से तथा भारतीय जनता पार्टी की ओर से बहुत–बहुत शुभकामनायें और बधाई प्रेषित करता हूँ तथा आपका इस बात के लिए भी स्वागत करता हूँ कि आपने इस अध्यक्ष के पद के दायित्व को भलीभांति स्वीकार किया है। अध्यक्ष महोदय, आप इस विधान सभा में लगातार दूसरी बार चुनकर आये हैं। इससे पहले आपका अनुभव चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर के रूप में भी रह चुका है। मेयर के रूप में आपका एक पूरा कार्यकाल रहा है और आपने बड़ी सूझबूझ के साथ इस मेयर के पद के दायित्व का निर्वहन किया था। इसी प्रकार पिछले विधान सभा के कार्यकाल में भी हम सबने देखा है कि आपका सबको साथ लेकर चलने का एक सहायोगात्मक स्वभाव रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आप से आशा करता हूँ कि इसी प्रकार से अध्यक्ष पद के दायित्व को भी पूरा करते हुए सभी सदस्यों को एक प्रकार से पॉलिटिकल एफिलिएशन से ऊपर उठकर सबको साथ लेकर चलेंगे। यह बात ठीक है कि भारतीय जनता पार्टी के नाते से सदन में हमें एक सदस्य की कमी जरूर महसूस होगी। लेकिन आप जिस प्रकार से अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे उससे हमें निश्चित रूप से संतोष होगा कि आपने सब सदस्यों को साथ लेकर चलने में भारतीय जनता पार्टी के एक सदस्य की कमी को खलने नहीं दिया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे पिछले पांच वर्ष के कार्यकाल के सत्र बहुत ही अच्छी तरह से चले हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे पूर्व अध्यक्ष महोदय ने भी बहुत संजीदगी से सबको साथ लेकर और सभी सदस्यों को बोलने के लिए पूरा समय देकर सदन को चलाया था। उसी क्रम में आगे बढ़ते हुए आज सदन में सदस्यों की शपथ के

कार्यक्रम में भी कार्यकारी अध्यक्ष डॉ0 कादियान साहब ने अपनी अहम भूमिका निभाई है, उनका भी मैं तहे दिल से धन्यवाद करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सभी सदस्यों से अपील करता हूँ कि अध्यक्ष की गरिमा बनाए रखने का दायित्व भी हम सभी का है। चाहे हम किसी भी राजनीतिक पार्टी से संबंध रखते हों, चाहे हम सत्ता पक्ष से संबंध रखते हों या फिर विपक्ष से संबंध रखते हों। सभी सदस्य आपस में एक–दूसरे का सहयोग करेंगे ताकि सदन को ठीक रुप से चलाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा का सत्र बहुत से प्रदेशों से काफी अच्छा रहता है। भले ही हमारे विचारों में मतभेद भी हो तो भी हम सहज रुप से सारी बातचीत करके और एक–दूसरे की भावना को समझते हुए सदन में अपनी बात रखते हैं और अपने हल्के से संबंधित विषय भी रखते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से सबका सामंजस्य बना रहता है। मैं सदन में पिछली बार पहली बार सदस्य चुनकर आया था और उसी अनुभव के आधार पर ही कह रहा हूँ कि हम लोग आपस में सदन में बहुत अच्छा व्यवहार करते रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, 14वीं विधान सभा के 90 सदस्यों में से 44 सदस्य ऐसे हैं जो पहली बार चुनकर आए हैं, मैं उन सभी सदस्यों का भी बहुत–बहुत स्वागत करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, नये सदस्यों को पुराने सदस्यों से बहुत कुछ जानकारियां सीखने को मिलेंगी। अध्यक्ष महोदय, मुझे उम्मीद है कि आप 44 नये सदस्यों को सदन में बोलने के लिए पर्याप्त समय देंगे। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से 30 सदस्य ऐसे हैं जिन्हें दो या दो से अधिक बार पुनः विधायक बनने का मौका मिला है। अध्यक्ष महोदय, 16 सदस्य ऐसे हैं जो पूर्व विधायक व मंत्री रहे हैं और उनका अनुभव भी नये सदस्यों को जरूर मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, डॉ0 रघुबीर सिंह कादियान और श्री सिरी कृष्ण हुड्डा ऐसे सदस्य हैं जो छठीं बार चुनकर विधान सभा पहुँचे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि महिला सदस्यों की संख्या पिछली बार 13 रही थी, लेकिन इस 14वीं विधान सभा में केवल 9 महिला सदस्य ही चुनकर आई हैं। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मुझे सदन को एक बात बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि इस सदन में सबसे कम आयु के सदस्य हमारे उप–मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला जी हैं। मुझे लगता है कि इस महान सदन में सबसे कम आयु में उप–मुख्यमंत्री बनने का इतिहास बना है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में एक विशेष उल्लेख भी करना चाहता हूँ कि हमारे बीच में खेल जगत के भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान व दो बार के गोल्ड मैडलिस्ट श्री संदीप सिंह पहली बार चुनकर आए हैं, उनका भी हम तहे दिल से

स्वागत करते हैं। 5 साल पहले जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार का पहला सत्र हुआ था तो हमने कहा था कि हमारी सरकार से पहले की सरकारों में सिटिंग्ज बहुत ज्यादा कम होती थी। यदि उन सिटिंग्ज की एवरेज निकाले तो प्रति वर्ष लगभग 10 सिटिंग्ज ही हो पाती थी और सत्र भी एक वर्ष में दो ही बार बुलाते थे। कभी–कभी किसी विशेष मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाने की जरूरत पड़ती थी तो ही साल में तीसरा सत्र होता था। उस समय हमने कहा था कि साल में कम से कम तीन सत्र तो जरूर होने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मुझे खुशी इस बात की है कि पूर्व अध्यक्ष महोदय ने सभी पार्टियों के सदस्यों के सहयोग से एक साल में तीन–तीन सत्रों की परम्परा को कायम रखते हुए सरकार के पिछले 5 वर्ष के कार्यकाल के दौरान 15 सत्र किए। मुझे इस महान सदन को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारी सरकार से पहले हरियाणा प्रदेश में सत्र की सिटिंग्स की औसत 10 सिटिंग्स प्रतिवर्ष थी जो हमारी सरकार के पिछले कार्यकाल में बढ़कर 17 सिटिंग्स प्रतिवर्ष काउंट की गई हैं । हमारी सरकार के 5 वर्ष के पिछले कार्यकाल में कुल 84 सिटिंग्स काउंट की गई हैं । हालांकि कई प्रदेश ऐसे हैं जिनसे हम इस विषय पर अभी भी पीछे हैं । कई प्रदेशों में 31–35–40 सिटिंग्स प्रतिवर्ष तक काउंट की गई हैं । उनका काम करने का तरीका विकसित है । हम भी सत्र की सिटिंग्स की संख्या को बढ़ाने की दिशा में अग्रसर होंगे लेकिन इनकी संख्या धीरे–धीरे बढ़ाई जाएगी क्योंकि एकदम ऐसा करना संभव नहीं है । मैं सदन में सभी पार्टियों के सदस्यों से और विशेषकर नेता प्रतिपक्ष से आग्रह करूंगा कि वे सदन की सिटिंग्स की संख्या बढ़ाने में हमारी मदद करें और विधायी कामों पर चर्चा का स्वभाव बनाएं । सामान्यतः सदस्यों को जब बोलने का मौका मिलता है तो वे अपने विधान सभा क्षेत्र से संबंधित विषयों तक ही सीमित रहते हैं । हालांकि अपने विधान सभा क्षेत्र से संबंधित विषयों पर बात करनी भी चाहिए क्योंकि वहां की जनता को अपने प्रतिनिधि से अपेक्षा होती है कि हमारा प्रतिनिधि सत्र में हमारी बात उठाएगा । हर सदस्य को अपने विधान सभा क्षेत्र की समस्याओं और मांगों को सदन में अवश्य उठाना चाहिए लेकिन इसके साथ–साथ उन्हें विधायी विषयों पर चर्चा भी करनी चाहिए और विधायी विषयों का अध्ययन करना चाहिए । अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अपील करूंगा कि हमें सदन में एक परम्परा को अपनाना चाहिए कि विधान सभा सत्र में जो विधेयक पेश होते हैं वे सदन में पर्याप्त समय पहले पढ़ने के लिए दिए जाएं । पिछले सत्रों में मैंने देखा है कि सदस्यों को विधान सभा में पेश होने से पहले रात को या फिर बिल्कुल उस समय जब वे सत्र के लिए

अपने निवास से निकल रहे हों उस समय पर विधेयक की कॉपी दी जाती थी । ऐसे में सदस्यों को उस विधेयक को पढ़ने के लिए भी पर्याप्त समय नहीं मिल पाता है । अतः मैं आपसे यह आशा करूंगा कि आप सदस्यों को सभी विधेयकों की कॉपी पर्याप्त समय पहले उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें ताकि जो सदस्य विधेयक पर चर्चा करने में रुचि रखते हैं उनको उस विधेयक की चर्चा में अपने विचार रखने का मौका मिल सके । विधेयक को पढ़ने के बाद ही सदस्यों को पता चलता है कि इसमें कोई अमैंडमैंड करने या फिर कोई नई चीज डालने की जरूरत है या नहीं । सभी सदस्य अपने क्षेत्र की बात सदन में जरूर करें लेकिन इसके साथ–साथ उन्हें प्रदेशहित में क्या–क्या हो सकता है इसकी भी सदन में जरूर चर्चा करनी चाहिए । अगर सदस्य इस तरह से विधेयकों पर चर्चा करेंगे तो इससे सत्र की अवधि बढ़ेगी और सत्र की सिटिंग्स भी बढ़ेंगी । अतः माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे आग्रह है कि आप इस ओर अपना ध्यान अवश्य आकर्षित करें । मुझे समाचार–पत्रों के माध्यम से पता चला है कि माननीय सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को इंडियन नैशनल कांग्रेस पार्टी ने प्रतिपक्ष का नेता चुन लिया है इसके लिए मैं इनको बधाई देता हूं । (विघ्न)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, क्या माननीय सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को इंडियन नैशनल कांग्रेस पार्टी ने प्रतिपक्ष का नेता चुन लिया है ?

श्री अध्यक्ष : हाँ, मेरे पास इंडियन नैशनल कांग्रेस पार्टी की तरफ से माननीय सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को प्रतिपक्ष का नेता चुने जाने का पत्र आ चुका है ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, सदन में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है । अगर वे इस भूमिका को प्रदेश हित में और रचनात्मकता के रूप में प्रस्तुत करेंगे तो उससे प्रदेश की जनता का भला होगा । कभी–कभी सदन का समय और साधन निरर्थक बहस में जाया हो जाता है । उससे जनता भी सोचती है कि हमने अपने प्रतिनिधि को कितने जोश और अपेक्षाओं से चुनकर सदन में भेजा था और वे वहां पर जाकर सदन का समय खराब कर रहे हैं । हाँ, सदन के माहौल को हल्का करने के लिए एक–दूसरे के साथ हंसी–मजाक करने में कोई दिक्कत नहीं है । मेरा सभी सदस्यों से आग्रह है कि सदन में एक–दूसरे पर ऐसे कटाक्ष न किये जाएं जो दूसरे सदस्यों को तीर की तरह चुभें । अतः मेरी सभी माननीय सदस्यों से अपेक्षा रहेगी कि सदन में हास्यात्मक व्यंग्य किये जाएं लेकिन एक–दूसरे पर चुभने वाले तीर न छोड़े जाएं । आज सदन में सभी माननीय सदस्यों

ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष महोदय को पीठासीन करवाया है इसके लिए मैं सभी सदस्यों का बहुत–बहुत धन्यवाद और स्वागत करता हूं ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा (गढ़ी–सांपला–किलोई): अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी सदन के नेता ने प्रस्ताव रखा है। सदन के सभी माननीय सदस्यों ने आपको सर्वसम्मति से विधान सभा का अध्यक्ष चुना है। मैं अपनी तथा अपने दल की तरफ से आपको विधान सभा का अध्यक्ष चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मैंने आपका कार्यकाल देखा है और पिछली टर्म में भी आप हमारे साथ थे। आपका नाम श्री ज्ञान चन्द जी है लेकिन हमने आपका नाम ज्ञानी ज्ञान चन्द रख रखा है। आप वाकई में ज्ञानी हैं और इसमें कोई दोराय नहीं है। यह जो स्पीकर का पद है वह बहुत ही जिम्मेदारी का पद है। इस सदन की गरिमा को कायम रखने की मुख्य जिम्मेदारी आपकी है। अध्यक्ष के ऊपर पूरे हाउस का विश्वास होता है कि अगर कोई बात होगी तो माननीय अध्यक्ष महोदय सदन में ही नहीं बल्कि बाहर भी हमारी रक्षा करेंगे। मैं लोकसभा की एक बात का जिक्र करना चाहूंगा कि श्रीमती सुचेता कृपलानी जी केन्द्रीय मंत्री थीं और श्री जे.बी. कृपलानी जी विपक्ष के सांसद थे। श्री जे.बी. कृपलानी जी ने एक प्रश्न पूछा और केन्द्रीय मंत्री श्रीमती सुचेता कृपलानी जी ने उनके प्रश्न का जवाब दिया परन्तु वे उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने खड़े होकर स्पीकर साहब से प्रोटैक्शन मांगी। स्पीकर साहब ने कहा कि what happened Mr. Kriplani? Mr. Kriplani said, “Speaker Sir, I want your protection.” The Speaker again asked him, “What happened? Mr. Kriplani said, “Speaker Sir, I want your protection. This lady troubles me in this House also and in that House also. So, you have to protect me in this House also in that House also, outside the House also.” Therefore, Speaker Sir, everybody expects protection from you. प्रदेश की जनता ने हमें विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है। मैं नेता प्रतिपक्ष होने के नाते अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से आपको विधान सभा का अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई देता हूं। हम विपक्षी दल होने के नाते से केवल सरकार का विरोध नहीं करेंगे बल्कि हम कंस्ट्रक्टिव रोल अदा करेंगे। बहुत से ऐसे मुद्दे होते हैं जो राजनीति से ऊपर उठकर प्रदेश के हित के लिए देखे जाते हैं और हम सभी मिलकर उनका समाधान करेंगे। बहुत से माननीय सदस्य इस सदन में पहली बार चुनकर आये हैं। मैं उनको अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक बधाई देता हूं। हमारे बहुत से पुराने माननीय सदस्य भी चुनाव जीतकर आये हैं। मैं उनको भी

अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक बधाई देता हूं। मैं भी इस हाउस में पांचवी बार चुनाव जीतकर आया हूं और माननीय सदस्य डा0 रघुवीर सिंह कादियान जी छठी बार चुनाव जीतकर आये हैं इसलिए वे मेरे से सीनियर सदस्य हैं।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय नेता प्रतिपक्ष को बताना चाहूंगा कि मैं भी छठी बार विधान सभा का चुनाव जीतकर आया हूं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, तीन माननीय सदस्य ऐसे हैं जो छठी बार चुनाव जीतकर आये हैं। अध्यक्ष महोदय, बहुत से माननीय सदस्य नये निर्वाचित होकर आये हैं। मैं आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि विधान सभा में कुछ माननीय सदस्य कई बार चुनकर आये हैं लेकिन कुछ माननीय सदस्य पहली बार चुनकर आये हैं, उनको आगे भी काम करना है इसलिए उन्हें ज्यादा से ज्यादा अपनी बात रखने का अवसर दिया जाना चाहिए। मैंने श्री मधु लिमये जी की किताब पढ़ी थी जिसमें उन्होंने फर्स्ट टाइम जो माननीय सदस्य चुनाव जीतकर आये हैं, उनके बारे में लिखा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू उस समय हाउस के नेता थे उन्होंने सुना और ऑब्जर्व भी किया। लेकिन वह बात फैक्ट्स से अलग थी। हालांकि श्री मधु लिमये जी विपक्ष में थे परन्तु पंडित जवाहर लाल नेहरू जी श्री मधु लिमये जी के फ्लैट पर गये। वे कॉफी के शौकीन थे और उन्होंने स्वयं उनके फ्लैट पर कॉफी बनाकर भी पिलायी। पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने उनको कहा कि हाउस में कभी भी बिना तैयारी के नहीं जाना और पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा दी गई सलाह के बाद मधु लिमये सदन में कभी बिना तैयारी के नहीं गये और he proved himself to be one of the best parliamentarian. मेरा सभी माननीय सदस्यों से आग्रह है कि वे हाउस में जो भी बात कहें, वह पूरी जिम्मेदारी के साथ कहें। यानि पूरी तैयारी के साथ कहें। जैसा अभी माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोई भी माननीय सदस्य अपनी जुबान से कोई लूज वर्ड न निकालें। मैं नेता प्रतिपक्ष के नाते से कहना चाहूंगा कि स्पीकर की नजर वैसे तो दोनों तरफ होती है लेकिन पूरे हाउस के लिए एक ही नजर रखनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पहले आप एक पार्टी के सदस्य के रोल में अपनी भूमिका अदा करते थे। लेकिन अब आप इस हाउस को रिप्रजैंट कर रहे हैं। पहले आप अपनी पार्टी की तरफ से हर बात पर बोलते थे लेकिन अब अध्यक्ष के पद पर होते हुए आप वैसा नहीं कर सकते। “Speaker never speaks” इस बात को आपको दिमाग में रखकर हाउस की जिम्मेवारी निभानी पड़ेगी और इसके साथ ही साथ थोड़ा सा अनुशासन भी

रखना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह भी कहना है कि आपको अपने व्यवहार में तब्दीली भी लानी पड़ेगी ताकि इस महान सदन की गरिमा बनी रह सके। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि पिछले विधान सभा सत्रों में इस महान सदन की गरिमा यह रही है कि कभी विपक्ष के माननीय सदस्य सत्ता पक्ष में बैठे होते हैं तो कभी सत्ता पक्ष के माननीय सदस्य विपक्ष में बैठे होते हैं क्योंकि मेरा अपना मत तो यह है कि हिस्ट्री अपने आपको रिपीट करती ही करती है। मैं इसके अलावा यह भी कहना चाहूंगा कि इस हाउस में मैं पहले लीडर ऑफ अपोजिशन में रहा हूं और उसके बाद सत्ता पक्ष में क्योंकि मेरे साथ पिछले विधान सभा चुनावों में भी यही परिस्थिति रही थी और अगली बार भी यही परिस्थिति रहने वाली है। अध्यक्ष महोदय, मैं अंत में यह कहना चाहूंगा कि 13वीं विधान सभा में श्री कंवर पाल जी ने हाउस को 5 साल तक बहुत अच्छे तरीके से चलाया था और मुझे लगता है कि आप भी उन्हीं का अनुसरण करेंगे क्योंकि उन्होंने विपक्ष के माननीय सदस्यों को बोलने के लिए अधिक समय दिया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री कंवर पाल जी को कहना चाहूंगा कि इस बार ये मंत्री बनने वाले हैं इसलिए मैं इनको भी बहुत–बहुत बधाई देता हूं।

श्री अभय सिंह चौटाला (ऐलनाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी पार्टी की तरफ से आपको अध्यक्ष बनने पर बहुत–बहुत मुबारकबाद देता हूं। आपको पूरे सदन ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुना है। हम सभी माननीय सदस्य आपसे उम्मीद भी करेंगे। जहां तक चुने हुए नये सदस्यों का सवाल है तो आपसे वे सदस्य अधिक उम्मीद करेंगे जो इस विधान सभा में पहली बार चुनकर आये हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि हमारे सदन के नेता ने कहा कि हमारे हरियाणा विधान सभा की हाउस की सिटिंग्ज के कम रहने की परम्परा रही है। मैं इस बारे में यह कहना चाहूंगा कि हाउस की सिटिंग्ज बढ़ाई जाये ताकि हर सदस्य को अपनी बात कहने का मौका मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह भी उम्मीद करूंगा कि जो हमारी पिछली हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष महोदय थे और जब बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हुआ करती थी तो उस मीटिंग में सरकार की तरफ से हाउस की सिटिंग्ज का समय कम रखा जाता था। जब हम सभी सदस्य उनसे हाउस की सिटिंग्ज का समय बढ़ाने के बारे में आग्रह करते थे तो वे हमेशा ही हमारे आग्रह को स्वीकार किया करते थे और उनकी तरफ से हाउस की एक–आध घंटा सिटिंग्ज का समय बढ़ाने का भी काम किया जाता था। अध्यक्ष महोदय, हम आपसे यह उम्मीद करेंगे कि आप एक–आध घंटा सिटिंग्ज बढ़ाने की बजाय और

ज्यादा सिटिंग्ज बढ़ायेंगे जिससे हर माननीय सदस्य को अपनी बात कहने का अधिक मौका मिल सके। सरकार ने और हमने पिछले 5 वर्ष आमने–सामने बैठकर गुजारे हैं। अध्यक्ष महोदय, आप मेरी किसी बात का बुरा मत मानना क्योंकि इन 5 वर्षों के दौरान जिस किसी मंत्री के मंत्रालय से संबंधित विपक्ष की तरफ से कोई भी माननीय सदस्य प्रश्न पूछते थे तो संबंधित मंत्री को शायद कम पीड़ा होती थी। उनसे पहले तो आप बीच में खड़े हो जाते थे इसलिए मैं आपसे यह उम्मीद करूंगा कि आप इस गरिमामय कुर्सी पर बैठकर केवल और केवल सत्ता पक्ष की तरफ निगाहें नहीं रखेंगे बल्कि उनकी बजाय जो माननीय सदस्य विपक्ष में बैठे हुए हैं, उनको अधिक से अधिक तवज्जो देने का काम करेंगे ताकि सरकार कहीं किसी किस्म की सदन की बेकद्री न करे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह उम्मीद करूंगा कि जब विपक्ष सरकार से सवाल जवाब पूछे तो आप विपक्ष के माननीय सदस्यों को बोलने के लिए अधिक समय देंगे ताकि विपक्ष के माननीय सदस्य अपनी बातें खुलकर के सरकार के सामने रख सकें। मैं इसके अलावा यह भी कहना चाहूंगा कि आप विपक्ष के माननीय सदस्यों को प्रोटैक्ट करने का भी काम करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं पुनः अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से आपको बधाई देता हूं कि आपका सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुनाव हुआ है और मुझे आपसे पूरी उम्मीद है कि आप इस गरिमामय पद की जिम्मेदारी की निष्पक्षता के साथ निभाने का भी काम करेंगे। धन्यवाद।

श्रीमती किरण चौधरी (तोशाम) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के चुने जाने पर बहुत–बहुत बधाई देती हूं। पिछले 5 वर्षों के दौरान आपके साथ हरियाणा विधान सभा की हाउस कमेटी में भी काम करने का मौका मिला था। मैंने उस दौरान आपके काम करने के ढंग को भी देखा कि आप बहुत ही बारीकी से और सूझबूझ तरीके से काम करते हैं। मुझे आप पर पूरा विश्वास है कि इस पद की गरिमा को बनाये रखेंगे और इस पद को और अधिक गरिमामय बनाने का काम भी करेंगे। जैसे हमारे माननीय सदस्यों ने कहा कि विपक्ष जो है वह सरकार का आइना होता है और विपक्ष की बात सरकार मानती और समझती भी है इसलिए मैं समझती हूं कि सदन की कार्यवाही बहुत अच्छी तरह से चले और आने वाले समय में सरकार को इसका लाभ मिले। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे यह आग्रह है कि जो हमारे कॉलिंग अटैंशन मोशन या तारांकित प्रश्न होते हैं, उनको एडमिट करने के विषय को लेकर के कई बार हमारे पूर्व अध्यक्ष श्री कंवर पाल जी से भी

काफी नोक—झोंक हो जाया करती थी क्योंकि हमारे प्रश्न लगने नहीं दिये जाते थे लेकिन वे बहुत कोशिश करते थे और हमारे प्रश्न लगाते भी थे। अध्यक्ष जी, आने वाले समय में सम्पूर्ण विपक्ष अपनी भूमिका को सकारात्मक रूप से निभा सके इसकी जिम्मेदारी आपके ऊपर है। अध्यक्ष जी, यह जिम्मेदारी भी आपके ऊपर है कि आप पूरे विपक्ष को पूरी तरह से प्रोटैक्ट करें। जब भी प्रदेश के हितों के ऊपर किसी प्रकार का कोई हमला होता है उस समय विपक्ष ही सरकार का ध्यान उस ओर आकर्षित करवाता है और सरकार को चेताने का काम करता है। अध्यक्ष जी, मैं आपको दोबारा से अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देती हूं और हम सभी उम्मीद करते हैं कि आप इस पद की गरिमा को और भी ऊंचा लेकर जायेंगे। धन्यवाद।

श्री वरुण चौधरी (मुलाना) (अनुसूचित जाति) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम तो मैं आपको अध्यक्ष निर्वाचित होने के लिए और अध्यक्ष पद की नई जिम्मेदारी के लिए बहुत—बहुत बधाई देता हूं। स्पीकर सर, जैसा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी ने भी बताया है कि वर्तमान विधान सभा में मेरे जैसे 44 सदस्य पहली बार निर्वाचित होकर आये हैं इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि उन सभी के प्रशिक्षण के लिए आप जल्द से जल्द एक ट्रैनिंग प्रोग्राम का आयोजन करवायें ताकि सभी नये सदस्यों को सदन के नियमों, कानूनों, परम्पराओं व कार्य प्रणाली की जानकारी से अवगत करवाया जा सके और विधान सभा सत्र के दौरान एक मिनट भी व्यर्थ न जाये। हम सभी यह चाहते हैं कि 14वीं विधान सभा एक इतिहास रचे। धन्यवाद।

श्री रणधीर सिंह गोलन (पुण्डरी) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको अपनी ओर से अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के लिए हार्दिक शुभ—कामनायें और बधाई देता हूं कि आप सर्वसम्मति से इस सदन के अध्यक्ष चुने गये। हम पहली बार इस सदन में चुनकर आये हैं। अध्यक्ष जी, जिस प्रकार से पहले भी इस सदन में नये सदस्यों को अपनी बात उठाने के लिए ज्यादा से ज्यादा समय मिलता रहा है वैसे ही मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार भी नये विधायकों को सदन में अपनी बात रखने के लिए ज्यादा समय मिलेगा और हर मामले में आपका पूर्ण सहयोग भी मिलेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सदन की कार्यवाही को बहुत ही अच्छे ढंग से चलायेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं इसे अपना सौभाग्य समझता हूं कि मुझे आपने सदन की पहली बैठक में ही बोलने के लिए समय दिया। इसके लिए भी मैं आपका धन्यवाद और आभार प्रकट करता हूं। जय हिन्द।

श्री अध्यक्ष : आदरणीय मुख्यमंत्री जी, उप मुख्यमंत्री, नेता विपक्ष एवं सदन के समस्त सदस्यगण, मुझे सर्वसम्मति से इस माननीय सदन का अध्यक्ष निर्वाचित किए जाने पर मैं आज आप सभी का हृद्य की गहराईयों से आभार प्रकट करता हूं तथा आपका हार्दिक धन्यवाद भी करता हूं। सभी दलों ने मुझ पर यह जो विश्वास व्यक्त किया है उसकी वजह से ही मैं इस पद पर बैठकर निष्पक्ष निर्णय कर पाऊंगा उसके लिए मैं आप सभी का व्यक्तिगत तौर पर बहुत–बहुत आभार व्यक्त करता हूं। इस पद की बड़ी गरिमा है। अब से पहले जितने भी सदस्यों ने इस पद को सुशोभित किया है, उन्होंने इस पद की गरिमा को बनाये रखा है इसलिए मैं भी उनकी परम्परा को ही आगे बढ़ाते हुए इस पद की गरिमा को बनाये रखूंगा। मैं आपसे भी यही आशा करूंगा कि आप सब मिल कर मुझे इस विषय पर ताकत देंगे। आप सभी जानते हैं कि संसदीय लोकतंत्र में कुछ नियम और कानून होते हैं। यह विधान सभा नियमों, कानूनों और परम्पराओं से चलती है। नियम और कानून को यदि हम ठीक ढंग से उपयोग में लें तो हम समय का अधिक से अधिक सदुपयोग करके अपनी बात कह सकते हैं। कम समय में अपनी बात कहने के लिए यह आवश्यक है कि उस विषय का अधिक से अधिक ज्ञान होना चाहिए। जितना अधिक उस विषय का ज्ञान होगा उतने ही संक्षिप्त समय में हम किसी मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे। इस सदन में प्रत्येक सदस्य अपने–अपने विधान सभा क्षेत्रों के निवासियों की भावनाओं और उनकी समस्याओं को अभिव्यक्त करते हैं। सदन का समय बहुत ही उपयोगी होता है इसलिए मैं आप सभी से यह उम्मीद करूंगा कि नियमों और कानूनों के अंतर्गत आप कम से कम समय में जन–आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित कर सकेंगे ताकि सरकार उन जन–आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य कर सके। माननीय सदस्यगण, हम सभी 14वीं विधान सभा के लिए चुने गए हैं इसके लिए भी मैं आप सभी को बधाई देता हूं। माननीय सदस्यगण, पूर्व में अध्यक्ष के पदों पर आसीन रहे माननीय सदस्यों द्वारा समय–समय पर दिये गये दिशा–निर्देशों का ज्ञान और उनके द्वारा स्थापित मूल्यों के रूप में उन सभी का योगदान हम सभी के लिए प्रेरणादायक व भविष्य के लिए मार्गदर्शक रहेगा। अंत में मैं एक बार पुनः आप सभी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। आपने मेरे प्रति जो विश्वास व्यक्त किया है उसके लिए मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि इस पद की गरिमा को बनाए रखते हुए मैं पूरी निष्पक्षता से इस सदन को चलाने का काम करूंगा। आशा करता हूं कि यह महान सदन नये–नये कीर्तिमान स्थापित करेगा।

नेता प्रतिपक्ष की मान्यता सम्बन्धी घोषणा

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं सदन को एक सूचना देना चाहता हूं कि – Shri Bhupinder Singh Hooda is recognized as Leader of Opposition.

उपाध्यक्ष के निर्वाचन सम्बन्धी घोषणा

श्री अध्यक्षः हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियम 10(i) मुताबिक मैं बतौर अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा, बताना चाहता हूं कि डिप्टी स्पीकर के चुनाव से संबंधित तिथि बाद में घोषित की जायेगी।

माननीय सदस्यगण, माननीय राज्यपाल ने 5 नवम्बर, 2019 को प्रातः 10:30 बजे सदन को संबोधित करना है, इसलिए माननीय राज्यपाल के अभिभाषण की समाप्ति के तुरन्त पश्चात् सदन आधे घंटे तक स्थगित रहेगा।

माननीय सदस्यगण, अब सभा कल दिनांक 05 नवम्बर, 2019 प्रातः 10.30 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

*15.57 **बजे**

(तत्पश्चात् सभा मंगलवार, दिनांक 5 नवम्बर, 2019 को प्रातः 10.30 बजे तक के लिए *स्थगित हुई।)